



युवा प्रभाग - दिव्य दर्पण ग्रुप
अगस्त, 2024 मास के पुरुषार्थ की पाइंट्स

अगस्त मास का चार्ट:
लक्ष्य – संतुष्टता

संगमयुग है ही संतुष्ट रहने और संतुष्ट बनाने का युग। ब्रह्मण जीवन की विशेषता संतुष्टता है। संतुष्टता ही बड़े ते बड़ा खजाना है। संतुष्टता ही ब्रह्मण जीवन की परसनालिटी है। इस परसनालिटी से विशेष आत्मा सहज बन जाते हैं। ब्राह्मण जीवन में जिस ब्राह्मण आत्मा में संतुष्टता की महानता है - उनकी सूरत में, उनके चेहरे में भी संतुष्टता की परसनालिटी दिखाई देती है और श्रेष्ठ स्थिति के पाँजिशन की परसनालिटी दिखाई देती है। संतुष्टता का आधार है बाप द्वारा सर्व प्राप्त हुए प्राप्तियां अर्थात् भरपूर आत्मा। असंतुष्टता का कारण अप्राप्ति होती है। संतुष्टता का कारण है सर्व प्राप्तियाँ। इसमें सर्व शक्तियाँ, सर्व गुण और ज्ञान भी आ जाता है। संतुष्टता की परसनालिटी नयनों में, चैन में, चेहरे में, दिखाई दे। संतुष्टमणि अर्थात् बेदाग मणि। संतुष्टता की निशानी है - संतुष्ट आत्मा सदा प्रसन्नचित्त स्वयं को भी अनुभव करेगी और दूसरे भी प्रसन्न होंगे।

तो आइए, संतुष्टमणि बन सदा प्रसन्नचित्त रहकर सर्व को प्रसन्न करने की सेवा करें।

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	प्रश्न से परे
दूसरा	एक सेकंड में विस्तार से सार में
तीसरा	सदा निश्चित
चौथा	सर्व प्राप्ति संपन्न

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उसका अभ्यास एवं चिंतन करना है। उस पर कम से कम 10 लाइन्स में अनुभव लिखना है। रोज रात को चेक करना है कि कितना % पवित्रता को धारण किया।

- ❖ विशेष Activity: मास के हर रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरने वाले भाई-बहनों का वर्कशॉप रखें। जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श कराएं: (एक रविवार का सेम्पल)
 1. संतुष्टता अर्थात् क्या?
 2. संतुष्टता की परसनालिटी वाली आत्माओं की विशेषताएं क्या होती हैं?
 3. संतुष्टता की परसनालिटी को धारण करने का पुरुषार्थ कौनसा है?
 4. Action Plan बनाएं।

- ❖ फ्रेम बुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिंदु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:
 1. गड मॉर्निंग – 3.30
 2. अमृतवेला-3.30 से 4.45
 3. व्यायाम/पैदल- हॉ जी
 4. ट्रैफिक कंट्रोल - 5 हॉ जी
 5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
 6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? -

7. नुमाशाम का योग-हाँ जी 8.स्वमान की स्मृति-बहुत अच्छी
10. गुड नाईट - रात्रि – 10.30

9. संतुष्टता – 80%

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बांधेंगे:

1. कभी भी क्युं, क्या के प्रश्नों में नहीं जाएंगे।
2. सदा फुलस्टॉप लगाएंगे।

❖ अभ्यास: हर घंटे एक मिनट के लिए “पाना था सो पा लिया” का गीत मन ही मन गाएं।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिंतन कर 10 पॉइंट्स लिखनी हैं एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

सप्ताह	स्वमान
पहला	में आत्मा प्रसन्नचित हूँ।
दूसरा	में आत्मा बिन्दू लगाकर बिन्दू में स्थित रहने वाली हूँ।
तीसरा	में आत्मा बेफ़िकर बादशाह हूँ।
चौथा	में आत्मा पद्मापद्म भाग्यशाली हूँ।

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org